अभ्यास पत्रक

पाठ: 6 - एक टोकरी भर मिट्टी

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) ज़मींदार, वृद्धा की झोंपड़ी क्यों हटवाना चाहता था?

(क) क्योंकि झोंपड़ी बहुत पुरानी थी।

(ख) क्योंकि वह अपने महल का अहाता (आँगन) बढ़ाना चाहता था।

(ग) क्योंकि वृद्धा उसे किराया नहीं देती थी।

(घ) क्योंकि उसे झोंपड़ी का रंग पसंद नहीं था।

(ii) वृद्धा अपनी झोंपड़ी क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

(क) क्योंकि उसे ज़मींदार से डर लगता था।

(ख) क्योंकि उसके पास जाने के लिए कोई और जगह नहीं थी।

(ग) क्योंकि वहाँ उसके पति और इकलौते पुत्र की मृत्यु हुई थी।

(घ) क्योंकि उसे ज़मींदार को परेशान करना था।

(iii) ज़मींदार ने झोंपड़ी पर कब्ज़ा कैसे किया?

(क) वृद्धा को पैसे देकर। (ख) वकीलों को पैसे देकर और अदालत के माध्यम से।

(ग) वृद्धा से विनती करके। (घ) नौकरों से कहकर झोंपड़ी तुड़वा दी।

(iv) झोंपड़ी छूट जाने के बाद किसने खाना-पीना छोड़ दिया था?

(क) वृद्धा ने (ख) ज़मींदार ने (ग) वृद्धा की पोती ने (घ) पड़ोसियों ने

(v) यह कहानी किस लेखक द्वारा लिखी गई है?

(क) भारतेंदु हरिश्चंद्र (ख) भीष्म साहनी (ग) माधवराव सप्रे (घ) दुष्यंत कुमार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) वृद्धावस्था में वृद्धा का एकमात्र सहारा कौन था?

उत्तर- .....

(ii) अपनी झोंपड़ी वापस पाने के लिए वृद्धा ज़मींदार के पास क्या लेकर पहुँची?

उत्तर- .....

(iii) वृद्धा झोंपड़ी से एक टोकरी भर मिट्टी क्यों ले जाना चाहती थी?

उत्तर- .....

(iv) वृद्धा ने टोकरी मिट्टी से भरने के बाद ज़मींदार से क्या प्रार्थना की?

उत्तर- .....

(v) जब ज़मींदार टोकरी उठाने आगे बढ़ा तो क्या हुआ?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) वृद्धा का अपनी झोंपड़ी से गहरा लगाव क्यों था? कोई दो कारण बताइए।

उत्तर- .....

.....

(ii) ज़मींदार ने अपनी "ज़मींदारी चाल" कैसे चली?

उत्तर- .....

.....

(iii) पोती को खाना खिलाने के लिए वृद्धा ने क्या उपाय सोचा?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कहानी के अंत में ज़मींदार का हृदय परिवर्तन क्यों हो गया? वृद्धा के किन शब्दों ने उस पर सबसे अधिक प्रभाव डाला? विस्तार से समझाइए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) क्योंकि वह अपने महल का अहाता (आँगन) बढ़ाना चाहता था।

(ii) (ग) क्योंकि वहाँ उसके पति और इकलौते पुत्र की मृत्यु हुई थी।

(iii) (ख) वकीलों को पैसे देकर और अदालत के माध्यम से।

(iv) (ग) वृद्धा की पोती ने

(v) (ग) माधवराव सप्रे

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) वृद्धावस्था में वृद्धा का एकमात्र सहारा उसकी पाँच बरस की पोती थी।

(ii) अपनी झोंपड़ी वापस पाने के लिए नहीं, बल्कि मिट्टी लेने के लिए वृद्धा ज़मींदार के पास एक टोकरी लेकर पहुँची।

(iii) वृद्धा झोंपड़ी से एक टोकरी भर मिट्टी ले जाकर उसका चूल्हा बनाना चाहती थी ताकि उसकी पोती उस पर बनी रोटी खा ले।

(iv) वृद्धा ने प्रार्थना की कि महाराज कृपा करके टोकरी को ज़रा हाथ लगा दें ताकि वह उसे अपने सिर पर रख सके।

(v) जब ज़मींदार टोकरी उठाने आगे बढ़ा तो वह उसे एक हाथ भी ऊँचा नहीं उठा सका।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) वृद्धा का अपनी झोंपड़ी से गहरा लगाव था क्योंकि एक तो वह वहाँ कई ज़मानों से रह रही थी। दूसरा, वह झोंपड़ी उसके प्रिय पति और इकलौते पुत्र की मृत्यु की साक्षी थी, इसलिए उसकी यादें उस झोंपड़ी से जुड़ी थीं।

(ii) जब वृद्धा ने झोंपड़ी हटाने से मना कर दिया, तो ज़मींदार ने अपनी "ज़मींदारी चाल" चलते हुए 'बाल की खाल निकालने वाले' वकीलों को रिश्वत दी और कानूनी दाँव-पेंच का इस्तेमाल करके अदालत से झोंपड़ी पर कब्ज़ा कर लिया।

(iii) पोती को खाना खिलाने के लिए वृद्धा ने उपाय सोचा कि वह अपनी पुरानी झोंपड़ी से एक टोकरी भर मिट्टी ले आएगी और उसी मिट्टी का चूल्हा बनाकर उस पर रोटी पकाएगी, जिसे शायद पोती अपने घर की रोटी समझकर खा लेगी।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) ज़मींदार का हृदय परिवर्तन वृद्धा की एक मार्मिक और तर्कपूर्ण बात सुनकर हुआ। जब ज़मींदार अपनी पूरी ताकत लगाकर भी एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठा सका और लज्जित हो गया, तब वृद्धा ने उससे कहा, "महाराज, नाराज न हों... आपसे तो एक टोकरी भर मिट्टी उठाई नहीं जाती और इस झोंपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है। उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे?" वृद्धा के इन्हीं शब्दों ने उस पर सबसे अधिक प्रभाव डाला। ज़मींदार समझ गया कि वृद्धा केवल मिट्टी के भौतिक भार की बात नहीं कर रही, बल्कि उस झोंपड़ी से जुड़े अन्याय के नैतिक भार की बात कर रही है। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ कि अगर वह एक टोकरी मिट्टी का भार नहीं उठा सकता, तो पूरी झोंपड़ी को अन्याय से छीनने के पाप का बोझ जीवन भर कैसे उठाएगा। धन के अहंकार में वह अपना कर्तव्य भूल गया था, लेकिन वृद्धा के इन शब्दों ने उसकी आँखें खोल दीं और उसे पश्चाताप करने पर मजबूर कर दिया।